Library

School of Planning and Architecture, Bhopal

S.No.01 November,2021

समय जगत 24/11/2021

समृद्धि, अखण्डता और सुंदरता को दर्शाती है काठ-खुनी हिमालयी वास्तुकला की संरचना

भोपाल। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय, भोपाल द्वारा विश्व धरोहर सप्ताह के अवसर पर हिमालयी वास्तुकला इसकी भव्यता और महत्व नामक एक विशेष व्याख्यान सीईपीटी विश्वविद्यालय, अहमदाबाद के प्रोफेसर जय ठक्कर और मानसी शाह द्वारा काठ-खुनी आर्किटेक्चर ऑफ द हिमालयः सस्टेनेबिलिटी एंड चेंज विषय पर दिया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए संग्रहालय के निदेशक डॉ. पी. के. मिश्र ने कहा कि हिमाचल प्रदेश में भवन निर्माण कला काठ-खुनी वास्तुकला ने इस प्रदेश को विश्व भर में एक अलग ही पहचान दिलाई है। पूर्वजों से प्राप्त पारम्परिक ज्ञान पद्धति के प्रत्येक पक्ष को प्रलेखित कर मूर्त एवं अमूर्त विरासत को भी संरक्षित कर आने वाली पीढ़ी के लिए सहेज कर रखना होगा। प्रोफेसर जय ठक्कर और मानसी शाह का स्वागत एवँ परिचय देते हुए डॉ. सूर्य कुमार पाण्डेय ने बताया कि प्रो. जय ठक्कर डिजाइन के संकाय में एसोसिएट प्रोफेसर हैं, और सीईपीटी विश्वविद्यालय में डिज़ाइन इनोवेशन एंड क्राफ्ट रिसोर्स सेंटर (डीआईसीआरसी) में अनुसंधान प्रमुख हैं। उन्होंने 'नक्शः द आर्ट ऑफ वुड कार्विंग ऑफ ट्रेडिशनल हाउसेस ऑफ गुजरात फोकस ऑन ऑरनामेंटेशन' (2004) के लेखक है और 'मात्रा- वेज़ ऑफ मेजरिंग वर्नाक्यूलर बिल्ट फॉर्म्स ऑफ हिमाचल प्रदेश' (2008) के सह-लेखक हैं। वह इंडेक्स-सी और कॉटेज और ग्रामीण उद्योग, गुजरात सरकार के लिए शिल्प से संबंधित कार्यक्रमों के सलाहकार बोर्ड के सदस्य हैं। मानसी शाह अहमदाबाद, भारत में स्थित एक शहरी वास्तुकार-डिजाइनर हैं।